ପାଠ 5
पाठ

ଚାଲ, ଚିଲିକା ଦେଖିବା
चाल, चिलिका देखिबा

ମଧୁଚ୍ଛନ୍ଦା : ରେଜିଆ, ତୁମେ ଏଥର କ'ଣ ଏଲ.ଟି.ସି ନେଉଚ୍ଛ ?

मधुछन्दा : रेजिआ, तुमे एथर क'ण एल.टि.सि. नेउछ ?

ରେଜିଆ : ହଁ, ନେବି ବୋଲି ଭାବୁଛି । ହେଲେ ପ୍ରଥମେ ତ ଜାଗା ଠିକ୍ କରିବାକୁ ପଡ଼ିବ ।

रेजिआ : हँ, नेबि बोलि भाबुछि। हेले प्रथमे त जागा ठीक करिबाकु पड़िब।

ମଧୁଚ୍ଛନ୍ଦା : ତେବେ ତ ତୁମକୁ ମୋ ସାଙ୍ଗରେ ଏଥର ଓଡ଼ିଶା ଯିବା ଦରକାର ।

मधुछन्दा : तेबे तो तुमकु मो सांगरे एथर ओड़िशा जिबा दरकार।

ରେଜିଆ : ହଁ, ଖୁବ୍ ଭଲ ହେବ ।

रेजिआ : हँ, खुब् भल हेब।

ମଧୁଚ୍ଛନ୍ଦା : ଏଥର ଚାଲ, ଚିଲିକା ଯିବା । ତୁମର ଚିଲିକା ଦେଖିବା ଉଚିତ୍ ।

मधुछन्दा : एथर चाल, चिलिका जिबा। तुमर चिलिका देखिबा उचित।

ରେଜିଆ : ଇଏ ଚିଲିକା କ'ଣ ?

चलिए, चिलिका देखेंगे

मधुछन्दा : रज़िआ, क्या तुम इसबार एल. टी.सी ले रही हो ?

रज़िया : हाँ, लेने को सोच रही हूँ। लेकिन पहले तो स्थान निश्चित करना पड़ेगा।

मधुछन्दा : तब तो तुमको इसबार मेरे साथ ओड़िशा जाना चाहिए।

रज़िया : हाँ, बहुत अच्छा होगा।

मधुछन्दा : इसबार चलो, चिलिका जाएँगे। तुम्हारा चिलिका देखना उचित है।

रेजिआ : इए चिलिका क'ण ?

ମଧୁଛନ୍ଦା : ଚିଲିକା ଗୋଟିଏ ବଡ଼ ହ୍ରଦ । ସମୁଦ୍ର ଭଳି ଲାଗେ ।

मधुछन्दा : चिलिका गोटिए बड़ ह्रद। समुद्र भळि लागे।

ରେଜିଆ : ସେଠି ଆମକୁ କ'ଣ ହୋଟେଲରେ ଆଗରୁ ରିଜର୍ଭେସନ୍ କରିବାକୁ ପଡ଼ିବ ।

रेजिआ : सेठि आमकु क'ण होटेलरे आगरु रिजर्भेसन करिबाकु पड़िब।

ମଧୁଛନ୍ଦା : ନା, ଏତେ ଆଗରୁ ରିଜର୍ଭେସନ କରିବାକୁ ପଡ଼େନା । ହୋଟେଲରେ ରହିବା ମଧ୍ୟ ଆମର ଦରକାର ନାହିଁ । ବରକୂଳ ଗେଷ୍ଟ ହାଉସ୍‌ରେ ରହିବା । ଭାରି ସୁନ୍ଦର ଜାଗା । ଗେଷ୍ଟ ହାଉସର ଚାରିପଟେ ଝାଉଁବଣ ଅଛି । ତାକୁ ଲାଗି ଚିଲିକା ହ୍ରଦ । ଏବେ କୁହତ, ଏସବୁ ଦେଖିବା କ'ଣ ଖୁସିର କଥା ନୁହଁ ?

मधुछन्दा : ना, एते आगरु रिजर्भेसन् करिबाकु पड़ेना। होटेलरे रहिबा मध्य आमर दरकार नाहिँ। बरकूळ गेष्ट हाउसरे रहिबा। भारि सुन्दर जागा। गेष्ट हाउसर चारिपटे झ ाउँबण अछि। ताकुलागि चिलिका ह्रद। एबे कुहत, एसबु देखिबा क'ण खुसिर कथा नूहँ ?

ରେଜିଆ : ଏଠୁ ସାଂଗରେ କ'ଣ କ'ଣ ସବୁ

रज़िया : यह चिलिका क्या है ?

मधुछन्दा : चिलिका एक बड़ी झील है। समुद्र जैसी लगती है।

रज़िया : क्या हमको वहाँ होटल में पहले से आरक्षण करना पड़ेगा ?

मधुछन्दा : नहीं, इतने पहले रिजर्भेसन् करना नहीं पड़ेगा। हमें होटेल में रहने की ज़रूरत भी नहीं। बरकुल गेस्ट हाउस में रहेंगे। बहुत सुंदर स्थान है। गेस्ट हाउस के चारों तरफ़ झाउँ वन है और उसके पास चिलिका झील है। अब कहो तो, क्या यह सब देखना नहीं चाहिए ?

रज़िया : यहाँ से क्या-क्या साथ लेना पड़ेगा?

ନେବାକୁ ପଡ଼ିବ ?

रेजिआ : एठु सांगरे क'ण क'ण सबु नेबाकु पड़िब ?

ମଧୁଛନ୍ଦା : ଏଠୁ କିଛି ନେବା ଦରକାର ନାହିଁ। ଖାଇବା ସେଠି ଖୁବ୍ ଭଲ। ଚିଲିକାରେ ସମୁଦ୍ର ମାଛ, କଂକଡ଼ା ଓ ବଡ଼ ବଡ଼ ଚିଙ୍ଗୁଡ଼ି ମିଳେ। ତାହାର ପାଣି ଲୁଣିଆ। ତହିଁରେ ବଙ୍ଗୋପସାଗରର ପାଣି ମିଶୁଛି।

मधुछन्दा : एठु किछि नेबा दरकार नाहिँ। खाइबा सेठि खुब भल। चिलिकारे समुद्र माछ, कंकड़ा ओ बड़ बड़ चिंगुड़ि मिळे। ताहार पाणि लुणिआ। तंहिरे बंगोपसागरर पाणि मिशुछि।

मधुछन्दा : यहाँ से कुछ लेने की ज़रूरत नहीं। वहाँ खाना बहुत अच्छा है। चिलिका में समुद्री मछली बड़ी-बड़ी केकड़ा और झींगा (मछली) मिलती हैं। उसका पानी नमकीन है। उसमें बंगाल की खाड़ी का पानी मिल रहा है।

ରେଜିଆ : ସତେ ନା କ'ଣ ? ତେବେ ତ ମୋର ଦେଖିବା ନିହାତି ଦରକାର। ସେଠାରୁ ମୁଁ ଚିଂଗୁଡ଼ି ମାଛ ଆଣିବି।

रेजिआ : सते ना क'ण ? तेबे त मोर दिखिबा निहाति दरकार। सेठारु मुँ चिंगुड़ि माछ आणिबि।

रज़िया : क्या यह सच है ? (ऐसा है क्या?) तब तो मेरा देखना निहायत ज़रूरी है। वहाँ से मुझे झींगा मछली लानी पड़ेगी।

ମଧୁଛନ୍ଦା : ତେବେତ ଆମକୁ ଚିଙ୍ଗୁଡ଼ି ଫ୍ୟାକ୍ଟ୍ରୀ ଯିବାକୁ ପଡ଼ିବ। ସେଠି ତୁମକୁ ବନ୍ଦ ଟିଣ ଡବାରେ ଚିଙ୍ଗୁଡ଼ି ମିଳିବ।

मधुछन्दा : तेबे त आमकु चिंगुड़ि फ्याक्ट्री जिबाकु पड़िब। सेठि तमकु बंद टिण डबारे चिंगुड़ि मिळिब।

मधुछन्दा : तब तो हमको झींगा फैक्ट्री जाना पड़ेगा। वहाँ तुमको बंद टिन के डिब्बे में झींगा मिलेगी।

ରେଜିଆ : ଚିଲିକାରେ ଆଉ କ'ଣ ସବୁ ଦେଖିବାକୁ ଅଛି ?

रज़िया : चिलिका में और क्या-क्या देखने के लिए हैं ?

मधुछन्दा : चिलिका के पक्षी देखने योग्य हैं। शीतऋतु आने पर बहुत प्रकार

रेजिआ : चिलिकारे आउ क'ण सबु देखिबाकु अछि ?

ମଧୁଚ୍ଛନ୍ଦା : ଚିଲିକାର ପକ୍ଷୀ ଦେଖିଲା ଭଳି । ଶୀତଋତୁ ଆସିଲେ ବହୁ ଦୂର ଦୂର ଦେଶରୁ ବହୁପ୍ରକାରର ହଜାର ହଜାର ପକ୍ଷୀ ଏଠିକୁ ଆସନ୍ତି ।

मधुछन्दा : चिलिकार पक्षी देखिला भळि। शीतऋतु आसिले बहु दूर दूर देशरु बहुप्रकारर हजार-हजार पक्षी एठिकु आसंति।

के हज़ारों हज़ारों पक्षी दूर दूर के देशों से यहाँ आते हैं।

ରେଜିଆ : 'କାଳିଜାଇ ପାହାଡ଼' କ'ଣ ଚିଲିକା ମଝିରେ ଅଛି ? ଆମକୁ କ'ଣ ସେଠିକୁ ଡଂଗାରେ ଯିବାକୁ ପଡ଼ିବ ?

रेजिआ : 'काळिजाइ पाहाड़' क'ण चिलिका मझिरे अछि ? आमकु क'ण सेठिकु डंगारे जिबाकु पड़िब ?

रज़िया : क्या 'कालिजाइ पहाड़' चिलिका के बीच में है ? क्या हमको वहाँ नौका में जाना पड़ेगा ?

ମଧୁଚ୍ଛନ୍ଦା : ନା, ନା ଡଂଗାରେ ଯିବାକୁ ପଡ଼ିବ ନାହିଁ । ଏବେ ମଟର ଲଞ୍ଚ ଚାଲୁଛି । ପାଣି ମଝିରେ 'କାଳିଜାଇ ପାହାଡ଼' । ପାହାଡ଼ ଉପରେ ଠାକୁରାଣୀ ମନ୍ଦିର ଅଛି ।

मधुछन्दा : ना, ना डंगारे जिबाकु पड़िब नाहिँ। एबे मटर लंच चालुछि। पाणि मझिरे 'काळिजाइ पाहाड़'। पाहाड़ उपरे ठाकुराणी मंदिर अछि।

मधुछन्दा : न, न, नौका में जाना नहीं पड़ेगा। अब मोटर लाँच चल रहा है। पानी के बीच में 'कालिजाइ' पहाड़ है। पहाड़ के ऊपर देवी का मंदिर है।

ରେଜିଆ : ମଧୁଚ୍ଛନ୍ଦା, ମତେତ ଭାରି ଖୁସି ଲାଗୁଛି । ଏବେ ମତେ ଟିକଟ କାଟିବାକୁ ପଡ଼ିବ ।

रेजिआ : मधुछंदा, मतेत भारि खुसि लागुछि।

रज़िया : मधुछंदा, मुझे तो बहुत खुशी लग रहा है। अब तो मुझे टिकट काटना पड़ेगा।

एबे मते टिकट काटिबाकु पड़िब।

शब्दार्थ

ओड़िआ शब्द	देवनागरी	हिंदी अर्थ
ଏଥର	एथर	इसबार
ଭାବୁଛି	भाबुछि	सोच रही हूँ
ତେବେତ	तेबेत	तबतो
ମୋ ସାଙ୍ଗରେ	मो सांगरे	मेरे साथ
ଯିବା ଦରକାର	जिबा दरकार	जाना चाहिए
ପ୍ରଥମେ	प्रथमे	पहले
ଚିଲିକା	चिलिका	चिलिका (एक झील का नाम)
ହ୍ରଦ	ह्रद	झील
ସମୁଦ୍ର	समुद्र	समुद्र / समन्दर
ସେଠି	सेठि	वहाँ
ଏତେ	एते	इतने
ସମୁଦ୍ର ମାଛ	समुद्र माछ	समुद्री मछली
କଂକଡ଼ା	कंकड़ा	केकड़ा
ବଡ଼ ବଡ଼	बड़ बड़	बड़ा बड़ा
ଚିଙ୍ଗୁଡ଼ି ମାଛ	चिंगुड़ि माछ	झींगा मछली
ଲୁଣିଆ	लुणिआ	नमकीन
ବଙ୍ଗୋପ ସାଗର	बंगोपसागर	बंगाल की खाड़ी
ମିଶୁଛି	मिशुछि	मिलता है
ନିହାତି	निहाति	निहायत
ବନ୍ଦ	बंद	बंद
ଟିଣ	टिण	टीन / टिन
ଡବା	डबा	डिब्बा / डब्बा
ପ୍ରକାରର	प्रकारर	तरह का
ପାହାଡ଼	पाहाड़	पहाड़

ମଝିରେ	**मझिरे**	**बीच में**
ଡଂଗା	**डंगा**	**नौका**
ଠାକୁରାଣୀ	**ठाकुराणी**	**देवी**

अभ्यास

I. **नीचे दिए गए वाक्य दोहराइए।**

1. ମୋ ସାଙ୍ଗରେ ଏଥର ତୁମେ ଓଡ଼ିଶା ଚାଲ।
मो सांगरे एथर तुमे ओड़िशा चाल।
2. ଏଥର ଚାଲ ଚିଲିକା ଯିବା।
एथर चाल चिलिका जिबा ।
3. ସେଠୁ ମତେ ଚିଙ୍ଗୁଡ଼ି ମାଛ ନେବାକୁ ପଡ଼ିବ।
सेठु मते चिंगुड़ि माछ नेबाकु पड़िब।
4. ଏତେ ଆଗରୁ ଆରକ୍ଷଣ କରିବାକୁ ପଡ଼େନା।
एते आगरु आरक्षण करिबाकु पड़ेना।
5. ଆମକୁ କ'ଣ ଏତେ ଆଗରୁ ଆରକ୍ଷଣ କରିବାକୁ ପଡ଼ିବ ?
आमकु क'ण एते आगरु आरक्षण करिबाकु पड़िब ?
6. ମୋର ଦେଖିବା ନିହାତି ଦରକାର।
मोर देखिबा निहाति दरकार।
7. ତୁମର ଚିଲିକା ଦେଖିବା ଉଚିତ୍।
तुमर चिलिका देखिबा उचित।

II. **वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थान पर दिए गए शब्दों का प्रयोग कर नये वाक्य बनाइए।**

1) ତୁମେ <u>ଓଡ଼ିଶା</u> ଚାଲ।
तुमे <u>ओड़ीशा</u> चाल।

ଭୁବନେଶ୍ୱର
भुबनेश्वर
ଦିଲ୍ଲୀ
दिल्ली
କଟକ
कटक

2) ଆମେ ଚାଲ, <u>ଚିଲିକା</u> ଯିବା।
आमे चाल, <u>चिलिका</u> जिबा।

ଲକ୍ଷ୍ନୌ
लखनउ
କାଶ୍ମୀର
काश्मीर
ଆଗ୍ରା
आग्रा

ସ୍କୁଲ
स्कुल
ସିନେମା
सिनेमा

ପୁରୀ
पुरी
ମନ୍ଦିର
मंदिर

3) ଚିଙ୍ଗୁଡ଼ି ମାଛ ନେବାକୁ ପଡ଼ିବ ।
चिंगुड़ि माछ नेबाकु पड़िब।

ରୋହି
रोहि
ଭାକୁର
भाकुर
ସିଂଗା
सिंगा
ଇଲିଶି
इलिशि
କଉ
कउ

4) ଏତେ ଆଗରୁ କରିବାକୁ ପଡ଼େନା ।
एते आगरु करिबाकु पड़ेना।

ଦେବାକୁ
देबाकु
ନେବାକୁ
नेबाकु
ପଢ଼ିବାକୁ
पढ़िबाकु
ଶୋଇବାକୁ
शोइबाकु
ପିଇବାକୁ
पिइबाकु

5) ଆମକୁ କ'ଣ କିଛି ନେବାକୁ ପଡ଼ିବ ?
आमकु क'ण किछि नेबाकु पड़िब ?

ତୁମକୁ
तुमकु
ସେମାନଙ୍କୁ
सेमानंकु
ତାଙ୍କୁ
तांकु
ଏମାନଙ୍କୁ
एमानंकु
ସମସ୍ତଙ୍କୁ
समस्तंकु

6) ମୋର ଦେଖିବା ନିହାତି ଦରକାର
मोर देखिबा निहाति दरकार।

ଆମର
आमर
ତୁମର
तुमर
ତାଙ୍କର
तांकर
ୟାଙ୍କର
यांकर
ସେମାନଙ୍କର
सेमानंकर

7) ତୁମର ଚିଲିକା ଦେଖିବା ଉଚିତ୍ ।
तुमर चिलिका देखिबा उचित।

ମୋର

मोर

ଆମର

आमर

ତାଙ୍କର

तांकर

ଯାଙ୍କର

यांकर

ସେମାନଙ୍କର

सेमानंकर

III. **नीचे दिए गए वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थान पर कोष्ठक में दिए गए शब्दों का प्रयोग कर वाक्य बनाइए।**

1. <u>ଏହାର</u> ପାଣି ଲୁଣିଆ। (ତା'ର)
   <u>एहार</u> पाणि लुणिआ। (ता'र)
2. <u>ଏତେ</u> ଆଗରୁ କରିବାକୁ ପଡ଼େ ? (କେତେ)
   <u>एते</u> आगरु करिबाकु पड़े? (केते)
3. <u>ସେଠି</u> ହୋଟେଲରେ ରହିବାକୁ ପଡ଼ିବ। (ଏଠି)
   <u>सेठि</u> होटेलरे रहिबाकु पड़िब। (एठि)
4. <u>ଏଥିରେ</u> ବଂଗୋପସାଗରର ପାଣି ମିଶୁଛି। (ସେଥିରେ)
   <u>एथिरे</u> बंगोपसागरर पाणि मिशुछि। (सेथिरे)
5. ବହୁତ ପକ୍ଷୀ <u>ଏଠିକୁ</u> ଆସନ୍ତି। (ସେଠିକୁ)
   बहुत पक्षी <u>एठिकु</u> आसन्ति। (सेठिकु)

IV. **नीचे दिए गए वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थान पर कोष्ठक में दी गई मूल क्रियाओं के उपयुक्त रूपों का प्रयोग कर वाक्य बनाइए ।**

उदाहरण :- ଆମେ ଚାଲ <u>ପୂଜା କରିବା</u>।

आमे चाल <u>पूजा करिबा</u>।

ମନ୍ଦିର ଦେଖ

मंदिर देख

ଫୁଲ ତୋଳ

फुल तोळ
କାମ କର
काम कर
ପାଠ ପଢ
पाठ पढ़
ଗୀତ ଗା'
गीत गा'

V. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उपयुक्त शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

1. ଏଥର ଚାଲ ଚିଲିକା ______ । (ଗଲି, ଯିବା)
एथर चाल चिलिका __________ । **(गलि, जिबा)**
2. ଚିଲିକା _____ ଉଚିତ୍ । (ଦେଖିବା, ଦେଖିଲ)
चिलिका ______ उचित्। **(देखिबा, देखिल)**
3. ଆରକ୍ଷଣ କରିବାକୁ _______ । (ପଡ଼ିବୁ, ପଡ଼ିବ)
आरक्षण करिबाकु ________ । **(पड़िबु, पड़िब)**
4. ମୋର _____ ଦରକାର ନାହିଁ । (ନେଲି, ନେବା)
मोर _________ दरकार नाहिँ। **(नेलि, नेबा)**
5. ଚିଲିକାର ପକ୍ଷୀ _____ ଭଳି (ଦେଖିଲି, ଦେଖିଲା)
चिलिकार पक्षी ______ भळि। **(देखिलि, देखिला)**

VI. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उपयुक्त शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

(ମାଛ, ବଣ, ଗେଷ୍ଟ ହାଉସ୍, ଲଞ୍ଚ, ପାହାଡ଼)
(माछ, बण, गेष्ट हाउस, लंच, पाहाड़)

1. ପୁରୀ ସମୁଦ୍ର କୂଳରେ ଝାଉଁ ________ ଅଛି ।
पुरी समुद्र कूळरे झाउँ ________ अछि।
2. ଚିଲିକା ପାଖରେ ବରକୂଳ _____________ ।
चिलिका पाखरे बरकूळ ________ ।
3. ନଈ, ସେ ପାଖକୁ ଆମେ ମଟର ____________ ରେ ଯାଉ ।
नई, सेपाखकु आमे मटर __ रे जाउ।
4. କାଳିଜାଇ ___________ ଉପରେ ଠାକୁରାଣୀ ମନ୍ଦିର ଅଛି ।

कालिजाइ ___________ उपरे ठाकुराणी मंदिर अछि।

5. ଆମେ ସମୁଦ୍ର ________ ଆଣିବୁ ।
आमे समुद्र ___________ आणिबु।

VII. कोष्ठक में दिए गए हिंदी शब्दों के समानार्थ ओड़िआ शब्द जोड़कर वाक्य बनाइए ।

1. ଚିଲିକା ଗୋଟିଏ ________ । (झील)
चिलिका गोटिए _______।

2. ଚାରିପଟେ ___________ ବଣ ଅଛି । (झाउँ)
चारिपटे ________ बण अछि ।

3. ମତେ ________ ଭଲ ଲାଗେ । (केकड़ा)
मते __________ भललागे।

4. ଚିଲିକାରେ ___________ ର ଫ୍ୟାକ୍ଟ୍ରୀ ଅଛି । (झींगा मछली)
चिलिकारे ___________र फ्याक्ट्री अछि।

5. ବଂଗୋପସାଗରର ପାଣି _______ ମିଶୁଛି । (चिलिका में)
बंगोपसागरर पाणि _____________ मिशुछि।

पढ़िए और समझिए

ନନ୍ଦ କାନନ
नंदनकानन

ଏଥର ଛୁଟିରେ ସମସ୍ତେ ମିଶି ନନ୍ଦ କାନନ ଯିବା । ବହୁତ ମଜା କରିବା । ଭୁବନେଶ୍ୱରରୁ
एथर छुटिरे समस्ते मिशि नंदनकानन जिबा। बहुत मजा करिबा। भुबनेश्वररु
ଆମକୁ ଟାଉନ୍ ବସ୍, ସ୍କୁଟର କିମ୍ବା ଟାକ୍ସିରେ ଯିବାକୁ ପଡ଼ିବ । ପ୍ରଥମେ ଆମକୁ ଟିକଟ କରିବାକୁ
आमकु टाउन बस, स्कुटर किंबा टाक्सीरे जिबाकु पड़िब। प्रथमे आमकु टिकट करिबाकु
ପଡ଼ିବ । ପିଲାମାନେ ସମସ୍ତେ ଏକାଠି ହୋଇ ଗୋଟିଏ ଜାଗାରେ ରହିବ । ଇଆଡ଼େ ସିଆଡ଼େ
पड़िब। पिलामाने, समस्ते एकठि होइ गोटिए जागारे रहिब। इआड़े सिआड़े
ହେବନି । ନନ୍ଦ କାନନରେ ଅନେକ ପଶୁପକ୍ଷୀ, ସରୀସୃପ ଇତ୍ୟାଦି ଦେଖିବାକୁ ମିଳିବ ।

ଆମେମାନେ

हेबनि। नंदनकाननरे अनेक पशुपक्षी, सरीसृप इत्यादि देखिबाकु मिळिब। आमेमाने
ଜାଲିଗାଡ଼ିରେ ସିଂହସଫାରୀ ଓ ବାଘ ସଫାରୀ ଦେଖିବାକୁ ଯିବା। ସେଠି ସିଂହସଫାରୀରେ
जालिगाड़िरे सिंहसफारी ओ बाघ सकारी देखिबाकु जिबा। चाल देखिबा, सिंहसफारीरे
ସିଂହମାନେ ଏଣେତେଣେ ହୋଇ ବୁଲୁଥିବାର ଦେଖିବା। କେତେ ପ୍ରକାରର ଧଳାସିଂହ। ଆଉ ବାଘ
सिंहमाने केमिति एणेतेणे होइ बुलुथिबार देखिबा। केते प्रकारर धळासिंह। आउ बाघ
ସଫାରୀରେ ଦେଖିବା ବିଭିନ୍ନ ରଂଗର ବାଘ । ଯଥା:- କଲରାପତରିଆ ବାଘ, ଚିତାବାଘ ଓ ମହାବଳ
सफारीरे देखिबा बिभिन्न रंगर बाघ। जथा :- कलरापतरिआ बाघ, चिताबाघ ओ महाबळ
ବାଘ ଇତ୍ୟାଦି। ଏଠି ପାଟିତୁଣ୍ଡ ନକରି ସେମାନଂକୁ ହଇରାଣ କରିବା ଅନୁଚିତ୍। ସମସ୍ତେ ଧୀର ସ୍ଥିର
बाघ इत्यादि। एठि पाटितुंड़ न करि सेमानंकु हइराण करिबा अनुचित्। समस्ते धीर स्थिर
ହୋଇ ଦେଖିବା। ଶୁଆ, ଶାରୀ, ହଳଦୀବସନ୍ତ ଇତ୍ୟାଦି ବିଭିନ୍ନ ପ୍ରକାର ଚଢ଼େଇ ଦେଖିବା। ପୁଣି
होइ देखिबा। शुआ, शारी, हळदीबसन्त इत्यादि बिभिन्न प्रकार चढेइ देखिबा। पुणि
ଦେଖିବା ସାପ, କୁମ୍ଭୀର, ଭାଲୁ, ସିଂପାଜୀ, ମାଂକଡ଼ ଓ ଝିଂକ। ପଶୁପକ୍ଷୀମାନଂକୁ ନେଇ ନନ୍ଦ କାନନ
देखिबा साप, कुम्भीर, भालु, सिंपाजी, मांकड़ ओ झिंक। पशुपक्षीमानंकु नेइ नदंनकानन
କେତେ ସୁନ୍ଦର। ସେଠାରେ ଦେଖିବା ଅନେକ ଲୋକଂକର ସମାବେଶ। ଆମେମାନେ ବହୁତ
केते सुंदर। सेठारे देखिबा अनेक लोकंकर समाबेश। आमेमाने बहुत
ବୁଲିବା। ପଶୁମାନଙ୍କ ବିଷୟରେ ତମେମାନେ ବହୁତ କିଛି ଜାଣି ପାରିବ। ପଶୁ ପକ୍ଷୀମାନଙ୍କୁ ପାଖରୁ
बुलिबा। पशुमानंक बिषयरे तमेमाने बहुत किछि जाणि पारिब। पशु पक्षीमानंकु पाखरु
ଦେଖି ତୁମକୁ ବହୁତ ଖୁସି ମଧ୍ୟ ଲାଗିବ।
देखि तुमकु बहुत खुसि मध्य लागिब।

शब्दार्थ

ओड़िआ शब्द	देवनागरी	हिंदी अर्थ
ନନ୍ଦ କାନନ	नंदनकानन	नंदनकानन (भुबनेश्वर के एक चिड़ियाघर का नाम)
ଏ ବର୍ଷ	ए बर्ष	इस साल

ଖରାଛୁଟିରେ	खराछुटिरे	ग्रीष्म काल की छुट्टियों में
ସମସ୍ତେ ମିଶି	समस्ते मिशि	सब मिलकर
ମଜା	मजा	आनंद
ଟିକଟ	टिकट	टिकट
କରିବାକୁ ପଡ଼ିବ	करिवाकु पड़िब	करना पड़ेगा
ଗୋଟିଏ ଜାଗାରେ	गोटिए जागारे	एक जगह में
ଇଆଡ଼େ ସିଆଡ଼େ	इआड़े सिआड़े	इधर उधर
ଅନେକ ପଶୁପକ୍ଷୀ	अनेक पशुपक्षी	अनेक पशुपक्षी
ସରୀସୃପ	सरीसृप	सरीसृप/ रेंगनेवाले जानवर
ବାଘ ସଫାରୀ	बाघ सफारी	बाघ सफारी
ସିଂହ ସଫାରୀ	सिंह सफारी	सिंह सफारी
ପାଟିତୁଣ୍ଡ	पाटितुण्ड़	बातचीत
କଲରାପତରିଆ ବାଘ	कलरा पतरीआ बाघ	करेला जैसा लकीरवाला बाघ
ମହାବଳ ବାଘ	महावळ बाघ	महाबल बाघ
ଧଳାବାଘ	धळाबाघ	सफेद बाघ
ଧୀରସ୍ଥିର	धीर स्थिर	चुपचाप
ବିଭିନ୍ନ ପ୍ରକାର ଚଢ଼େଇ	अनेक प्रकार की चढ़ेइ	अनेक प्रकार की चिड़िया
କେତେ ସୁନ୍ଦର	केते सुन्दर	कितना सुंदर
ଅନେକ ଲୋକଂକ ସମାବେଶ	अनेक लोकंक समाबेश	अनेक लोगोंका समावेश
ଅନୁଚିତ	अनुचित	अनुचित
ହଇରାଣ କରିବା	हइराण करिबा	हैरान करना
ସାପ	साप	साँप
କୁମ୍ଭୀର	कुम्भीर	घड़ियाल
ଭାଲୁ	भालु	भालू
ସିଂପାଜୀ	सिँपाजी	चिंपैंजी

ମାଙ୍କଡ଼	**मांकड़**	**लंगूर / बंदर**
ଝିଂକ	**झिंक**	**सोही**
ବିଷୟରେ	**बिषयरे**	**बारे में**
ପାଖରୁ	**पाखरु**	**पास से**

अभ्यास

I. अनुच्छेद के आधार पर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. ଆମେମାନେ ଖରା ଛୁଟିରେ କେଉଁଠିକୁ ଯିବା ?
आमेमाने खराछुटिरे केउँठिकु जिबा ?
2. ନନ୍ଦ କାନନ କେମିତି ଯିବାକୁ ପଡ଼େ ?
नंदनकानन केमिति जिबाकु पड़े ?
3. ନନ୍ଦନକାନନରେ କ'ଣ ସବୁ ଦେଖିବାକୁ ମିଳେ ?
नंदनकानन क'ण सबु देखिबाकु मिळे ?
4. ଆମେମାନେ କେଉଁଥିରେ ସିଂହସଫାରୀ ଓ ବାଘ ସଫାରୀ ଦେଖିବାକୁ ଯିବା ?
आमेमाने केउँथिरे सिंहसफारी ओ बाघसफारी देखिबाकु जिबा ?
5. ବାଘ ସଫାରୀରେ କେତେ ପ୍ରକାରର ବାଘ ଦେଖାଯାଏ ଓ କ'ଣ କ'ଣ ?
बाघ सफारीरे केते प्रकारर बाघ देखाजाए ओ क'ण क'ण ?
6. ନନ୍ଦ କାନନରେ କେଉଁ କେଉଁ ପଶୁପକ୍ଷୀ ଅଛନ୍ତି ?
नंदनकाननरे केउँ केउँ पशुपक्षी अछंति ?

5. ନନ୍ଦନକାନନ ଗଲେ ଆମକୁ କ'ଣ ଲାଭ ମିଳିବ ?
सिंहमाने क'ण करुछंति ?

II. नीचे दिए गए प्रत्येक शब्द समूह के शब्दों को सही क्रम में रख कर वाक्य बनाइए।

1. ଯିବୁ, ନନ୍ଦନକାନନ, ମିଶି, ଖରାଛୁଟିରେ, ସମସ୍ତେ, ଏବର୍ଷ
जिबु, नंदनकानन, मिशि, खराछुटिरे, समस्ते, एबर्ष
2. ପଡ଼ିବ, ଭୁବନେଶ୍ୱରରୁ, ଟାକ୍ସି, ସ୍କୁଟର, ଟାଉନ୍‌ବସ୍‌ରେ, କିମ୍ବା, ଆମକୁ
पड़िब, भुबनेश्वररु, टाकसी, स्कुटर, टाउनबस, किम्बा, आमकु
3. ଗୋଟିଏ ଜାଗାରେ, ହୋଇ, ସମସ୍ତେ, ଏକାଠି, ପିଲାମାନେ, ରହିବ
गोटिए जागारे, होइ, समस्ते, एकाठि, पिलामाने, रहिब

4. ଇତ୍ୟାଦି, ଯଥା :- କଲରାପତରିଆ ବାଘ, ମହାବଳ ବାଘ, ଚିତାବାଘ, ବିଭିନ୍ନ, ଆଉ, ବାଘ, ବାଘ ସଫାରୀରେ, ଦେଖିବା, ରଙ୍ଗର

   इत्यादि, जथा:- कलरापतरिआ बाघ, महाबळ बाघ, चिताबाघ, बिभिन्न, आउ, बाघ, बाघ सफारीर, देखिबा, रंगर

5. ନନ୍ଦ କାନନ, ପଶୁପକ୍ଷୀମାନଂକୁ, କେତେ ସୁଂଦର, ନେଇ

   नंदनकानन , पशुपक्षीमानंकु, केते सुंदर, नेइ

III. हिंदी में अनुवाद कीजिए।

ଓଡ଼ିଶାର ରାଜଧାନୀ ଭୁବନେଶ୍ୱର। ଭୁବନେଶ୍ୱରରେ ଏକ ମ୍ୟୁଜିଅମ୍ ଅଛି। ମ୍ୟୁଜିଅମ୍ ସକାଳ

ओड़ीशार राजधानी भुबनेश्वर। भुबनेश्वररे एक म्युजिअम् अछि। म्युजिअम् सकाळ

ନଅଟାରୁ ଛଅଟା ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ଖୋଲା ରହେ। ଏହା କେବଳ ସୋମବାର ଦିନ ବନ୍ଦ ରହେ।

नअटारु छअटा पर्ज्यंत खोला रहे। एहा केवळ सोमबार दिन बंद रहे।

ମ୍ୟୁଜିଅମ୍ ଯିବାକୁ ହେଲେ ପ୍ରଥମେ ଟିକଟ କାଟିବାକୁ ପଡ଼େ। ମ୍ୟୁଜିଅମ୍‌ରେ ବିଭିନ୍ନ ତାଳପତ୍ରର

म्युजिअम् जिबाकु हेले प्रथमे टिकट काटिबाकु पड़े। म्युजिअमरे बिभिन्न ताळपत्रर

ପୋଥୀ, ରାଜାଙ୍କ ବ୍ୟବହୃତ ପାତ୍ର ଏବଂ ବସ୍ତ୍ର, ପ୍ରାଚୀନ କାଳର ତମ୍ବା ମୁଦ୍ରା, ବିଭିନ୍ନ

पोथी, राजांक ब्यबहृत पात्र एबं बस्त्र, प्राचीन काळर तम्बा मुद्रा, बिभिन्न

ପଶୁମାନଙ୍କର ଛାଲ, ମଣିଷର କଙ୍କାଳ ଆଉ ପଥରର ମୂର୍ତ୍ତି ଇତ୍ୟାଦି ଦେଖିବାକୁ ମିଳେ।

पशुमानंकर छाल, मणिषर कंकाळ आउ पथरर मूर्त्ति इत्यादि सबु देखिबाकु मिळे।

ମ୍ୟୁଜିଅମର ସବୁ ଜିନିଷ ଦେଖିବାକୁ ହେଲେ ବାରମ୍ବାର ଯିବାକୁ ପଡ଼ିବ।

म्युजिअमर सबु जिनिष देखिबाकु हेले बारम्बार जिबाकु पड़िब।

IV. ओड़िआ में अनुवाद कीजिए ।

हमें वन जाना पड़ेगा। वहाँ शेरों के झुंड को देखना चाहिए। आज वहाँ बच्चों को भी जाना पड़ेगा। हमें शीघ्र जाना चाहिए। पशुओं को देखना चाहिए। इनको सताना नहीं चाहिए। देखो, हम आ गए। वहाँ मोर नाचते हैं। अब वर्षा होनी चाहिए। नानी ऐसे बोलती हैं। यहाँ देखो। कितने प्रकार के बाघ हैं। मुझे लकीरवाले बहुत अच्छे लगते हैं। "तुम्हें कौन सा बाघ अच्छा लगता है ?" "मुझे ? मुझे तो सफेद बाघ अच्छा लगता है। मुझे उस बाघ को नज़दीक से देखना पड़ेगा। इसलिए मुझे वहाँ जाना चाहिए। मैं वहाँ जाता हूँ।

V. आपके द्वारा देखे हुए किसी चिड़ियाघर के बारे में ओड़िआ में एक छोटा सा अनुच्छेद लिखिए।

टिप्पणियाँ

I. **इस पाठ में निम्नप्रकार के वाक्यों का प्रयोग हुआ है।**

1. ମତେ ଚିଂଗୁଡ଼ି ମାଛ ନେବାକୁ ପଡ଼ିବ। **मुझे झींगा मछली लेनी पड़ेगी।**
मते चिंगुड़ि माछ नेबाकु पड़िब।

2. ପ୍ରଥମେ ତ ଜାଗା ଠିକ କରିବାକୁ ପଡ଼ିବ।**पहले तो स्थान निश्चित करना पड़ेगा।**
प्रथमे त जागा ठिक करिबाकु पड़िब।

3. ଚିଙ୍ଗୁଡ଼ି ଫ୍ୟାକ୍ଟ୍ରୀ ଯିବାକୁ ପଡ଼ିବ। **झींगा फैक्ट्री जाना पड़ेगा।**
चिंगुड़ि फ्याक्ट्री जिबाकु पड़िब।

4. ମୋର ଦେଖିବା ଦରକାର । **मेरा देखना ज़रुरी है।**
मोर देखिबा दरकार।

5. ତୁମର ଚିଲିକା ଦେଖିବା ଉଚିତ୍। **तुम को चिलिका देखना चाहिए**
तुमर चिलिका देखिबा उचित्।

वाक्य (1, 2 तथा 3) के क्रिया रूप हिंदी के 'लाना पड़ेगा', 'जाना पड़ेगा' जैसे क्रिया रूपों के समान हैं। यह प्रयोग क्रिया की अनिवार्यता का बोध कराता है। ओड़िआ में ऐसे क्रिया रूप निम्न प्रकार से बनते हैं।

प्रधान क्रिया के संज्ञार्थक कृदंत के साथ -'କୁ' (-कु) प्रत्यय जोड़ कर सहायक क्रिया -'ପଡ' (पड़) का प्रयोग काल के अनुसार होता है। कर्ता के साथ कर्म कारक का -'କୁ' (कु) प्रत्यय जोड़ना चाहिए। ध्यान दें कि ओड़िआ में भी सहायक क्रिया 'ପଡ' (पड़) किसी भी काल में पुरुष और वचन के अनुसार नहीं बदलता। जैसे :-

1. ମତେ ଯିବାକୁ ପଡୁଛି। **मुझे जाना पड़ता है।**
मते जिबाकु पडुछि।

2. ତୁମକୁ ଯିବାକୁ ପଡୁଛି। **तुमको जाना पड़ता है।**
तुमकु जिबाकु पडुछि।

3. ଆପଣଙ୍କୁ ଯିବାକୁ ପଡୁଛି। **आपको जाना पड़ता है।**
आपणंकु जिबाकु पडुछि।

1. ମତେ ଯିବାକୁ ପଡ଼ିଲା। **मुझे जाना पड़ा।**
मते जिबाकु पड़िला।

2. ତୁମକୁ ଯିବାକୁ ପଡ଼ିଲା। **तुमको जाना पड़ा।**

तुमकु जिबाकु पड़िला।

3. ଆପଣଙ୍କୁ ଯିବାକୁ ପଡ଼ିଲା। आपको जाना पड़ा।
आपणंकु जिबाकु पड़िला।

1. ମତେ ଯିବାକୁ ପଡ଼ିବ। मुझे जाना पड़ा।
मते जिबाकु पड़िब।

2. ମତେ ଯିବାକୁ ପଡ଼ିବ। मुझे जाना पड़ेगा।
मते जिबाकु पड़िब।

3. ଆପଣଙ୍କୁ ଯିବାକୁ ପଡ଼ିବ। आपको जाना पड़ेगा।
आपणंकु जिबाकु पड़िब।

वाक्य (4 तथा 5) में मूलक्रिया के साथ 'ଇବା' (-इबा) प्रत्यय जोड़ा गया है जिस के फलस्वरुप वे संज्ञार्थक कृदंत बन गए हैं। कर्ता के साथ संबध कारक '-ର' (-र) का प्रत्यय जोड़ा गया है। ऐसे वाक्यों से क्रिया करने की इच्छा तथा जरूरत का बोध होता है। नीचे दिए गए दो वाक्यों में अंतर है। जैसे :-

1. 'ମୋର ଦେଖିବା ଦରକାର'। मेरा देखना जरूरी है।
'मोर देखिबा दरकार'।

2. 'ମୋତେ ଦେଖିବା ଦରକାର'। मुझे देखना चाहिए।
'मोते देखिबा दरकार'।

II. चिलिका

बंगाल की खाड़ी के जल से भरी हुई ओड़िशा की प्रसिद्ध झील। इस में डॉलफिनों की क्रीड़नशील तैराकी देखने केलिए पर्यटक आते हैं। जाड़े के दिनों में विभिन्न प्रजातियों के पक्षी यहाँ अंडे देने आते हैं। इस झील में कई पहाड़ियाँ हैं। एक बार आँधी-तूफान में एक नव-विवाहिता इस झिल में डूब गयी थी। उसका नाम 'जाइ' था। चिलिका झील की अनेक पहाड़ियों में से एक पहाड़ी का नाम 'कालिजाइ' उसी नवविवाहिता के नाम पर पड़ा। मान्यता है कि यद्यपि वह स्वयं डूब गयी, वह सैंकड़ों-हज़ारों व्यक्तियों को डूबने से बचाती है।

III. कुछ पशु-पक्षियों के नाम।

ओड़िआ शब्द	देवनागरी	हिंदी अर्थ
ଓଟ	उट	ऊँट
କଙ୍ଗାରୁ	कंगारु	कंगारू

କୁକୁର	**कुकुर**	**कुत्ता**
କୋକିଶିଆଳୀ	**कोकिशिआळी**	**लोमड़ी**
ଗଧ	**गध**	**गधा**
ଗୟୂଳ	**गयळ**	**जंगली साँड़**
ଗୁଣ୍ଡୁଚି ମୂଷା	**गुँडुचि मूषा**	**गिलहरी**
ଚିତା ବାଘ	**चिता बाघ**	**चीता**
ଚମରୀ ଗାଈ	**चमरी गाई**	**सुरागाय**
ଛେଳି	**छेळी**	**बकरा**
ଜେବ୍ରା	**जेब्रा**	**गोरखर**
ଝିଙ୍କ	**झिंक**	**साही**
ବଳଦ	**बळद**	**बैल**
ବାଘ, ବାଘୁଣୀ	**बाघ, बाघुणी**	**बाघ, बाघिन**
ବାନର, ମାଙ୍କଡ଼	**बानर, मांकड़**	**बंदर**
ସିଂହ	**सिंह**	**सिंह**
ଶିଆଳ	**शिआळ**	**सिआर / सियार**
କାଉ	**काउ**	**कौआ**
କୁକୁଡ଼ା	**कुकुड़ा**	**मुर्गा**
କୋଇଲି	**कोइलि**	**कोयल**
ଶୁଆ	**शुआ**	**तोता**
ଶାଗୁଣା	**शागुणा**	**गीदड़**
ଶାରୀ	**शारी**	**मैना**
ଘରଚଟିଆ	**घरचटिआ**	**गोरैया**
ପାରା	**पारा**	**कबूतर**
ପେଚା	**पेचा**	**उल्लू**
ବଗ	**बग**	**बक**